NCERT Solutions for 3rd Class Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 8-पंख फैलाऐं उड़ते जाएं

IndCareer Schools

indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for Class 3rd Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 8-पंख फैलाए उड़ते जाएं

Class 3: पर्यावरण अध्ययन Chapter 8 solutions. Complete Class 3 पर्यावरण अध्ययन Chapter 8 Notes.

NCERT Solutions for Class 3rd Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 8-पंख फैलाए उड़ते जाएं

NCERT 3rd पर्यावरण अध्ययन Chapter 8, class 3 पर्यावरण अध्ययन Chapter 8 solutions

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-3rd-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-8-pankhfailaye-udte-jaye/

IndCareer

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 50)

➢ सिर पर मेरे ..... है,
सुन्दर पंखों पर नाज है।
सुन्दर नाच दिखाता हूँ।
राष्ट्रीय पक्षी कहलाता हूँ।

उत्तर *ताज।*

➢ आकाश से सीधे आती हूँ,
झपट चूहा ले जाती हूँ।
पूँछ है मेरी खाँचे वाली,
..... हूँ मैं बड़ी निराली।

उत्तर *चील।*

➢ हरे-हरे हैं मेरे पंख,
लाल है मेरी ..... का रंग।
हरी मिर्च मैं खाता हूँ,
..... मैं कहलाता हूँ।

उत्तर *चोंच, तोता।*

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-3rd-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-8-pankhfailaye-udte-jaye/

IndCareer

➢ काले-काले ..... हैं मेरे,
..... रंग।
काँव-काँव मैं शोर मचाता,
.....
उत्तर पंख, काला मेरा, कौवा मैं कहलाता हूँ।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 51)

➢ कुहू-कुहू आवाज लगाती,
मधुर-मधुर मैं गीत सुनाती।
सबके मन को हूँ मैं भाती,
देखो ..... मैं कहलाती।
उत्तर *कोयल।*

➢ मरे जानवर खाकर मैं,
जगह साफ कर देता हूँ।
ऊँचे ..... में उड़ता हूँ।
गिद्ध मैं कहलाता हूँ।
उत्तर *आसमान।*

➢ रंग सलेटी, पंजे .....
गुटर गूँ की भर कर चाभी।
दिन भर शोर मचाता हूँ,
..... मैं कहलाता हूँ।
उत्तर *गुलाबी, कबूतर।*

➢ चोंच है मेरी बड़ी निराली,
सुई हो जैसे सिलने वाली।
पत्ते सिल कर घर बनाऊँ,
..... चिड़िया मैं कहलाऊँ।
उत्तर *दर्जिन।*

IndCareer

➢ पेड़ के ..... में छेद बनाऊँ,
उसमें छिपे कीड़े खाऊँ।
टुक-टुक करता जाता हूँ,
कठफोड़वा कहलाता हूँ।

उत्तर *तने।*

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 52)

➢ पाठ में आए पक्षियों में से तुमने किन-किन को देखा है? उनके नाम लिखो।
....
....

उत्तर कौवा, गौरैया, कबूतर, मोर, चील, तोता, कोयल, गिद्ध।

➢ अब बाहर जाकर देखो तुम्हें कितने पक्षी दिखते हैं। पेड़ पर ही नहीं, मैदान में, पानी में, पानी के आस-पास तथा झाड़ियों में भी देखना।

उत्तर

जगह	चिड़ियों की संख्या
पेड़ पर	10
पानी में	8
जमीन पर	7
झाड़ियों में	5

➢ पक्षियों के नाम भरो तथा सही जगह पर (✓) का निशान लगाओ। यदि नाम नहीं जानते तो उनकी कोई पहचान लिखो।

उत्तर

पक्षियों के नाम	जहाँ देखा है				
	पानी में	पेड़ पर	जमीन पर	घर में	उड़ते हुए
कौवा		✓			✓
कबूतर		✓	✓	✓	✓
बत्तख	✓				
सारस	✓	✓			✓
तोता		✓			✓
मुर्गी			✓	✓	
गिद्ध			✓		

IndCareer

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 53)

➢ क्या तुमने कभी ध्यान दिया है कि अलग-अलग पक्षियों की चोंच भी अलग-अलग तरह की होती हैं? नीचे कुछ पक्षियों की चोंच के चित्र हैं। इनको ध्यान से देखो और पहचानो–ये किन पक्षियों की चोंच हैं। नीचे उनके नाम लिखो। खाली खाने में किसी अन्य पक्षी की चोंच बनाओ और उसमें भी रंग भरो। उस पक्षी का नाम भी लिखो।

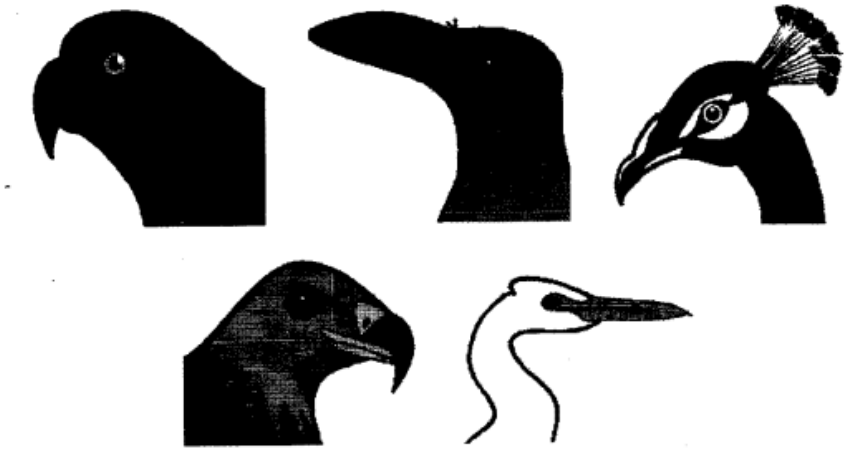

उत्तर 1. तोता, कौवा, मोर, चील, बगुला।

नोट–किसी और पक्षी की चोंच बनाओ।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 54)

➢ चित्र में दिये गये पक्षियों को उनके भोजन के साथ जोड़ो।

उत्तर

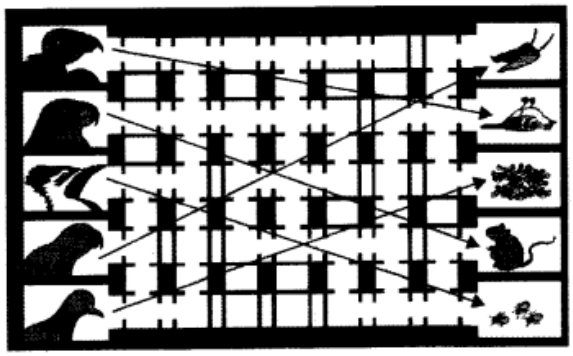

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 55)

➢ उल्लू तो अपनी गर्दन पीछे तक घुमा सकता है। क्या तुम भी ऐसा कर सकते हो?

उत्तर नहीं, मैं अपनी गर्दन पीछे नहीं कर सकता हूँ।

➢ कई पक्षी ऐसे हैं, जो हमारी बोली कीं नकल कर सकते हैं। क्या तुम ऐसे किसी पक्षी का नाम जानते हो? उसका चित्र कॉपी में बनाओ और उसका नाम भी लिखो।

उत्तर तोता हमारी बोली की नकल कर सकता है।

➢ बाहर खुले में जाओ। पक्षियों को देखो कि वे कैसे चलते हैं, उनके पंख कैसे हैं और वे गर्दन कैसे हिलाते हैं। पक्षियों की आवाजें भी सुनो। किन्हीं तीन पक्षियों की आवाजों की नकल करो। उनके गर्दन हिलाने की भी नकल करो। अपने साथियों से कहो कि वे पहचानें तुमने किस पक्षी की नकल की है।

उत्तर स्वयं करो।

➢ पक्षियों के गिरे हुए पंखों को इकट्ठा करो और उनके रंग, आकार और आकृति पर चर्चा करो। एक पक्षी का चित्र अपनी कॉपी में बनाओ और उसपर पंख चिपकाओ। उसका नाम भी लिखो।

उत्तर स्वयं करो।

➢ पक्षियों के अलावा और कौन-कौन से जानवर उड़ सकते हैं?

उत्तर तितली, मधुमक्खी, तिलचट्टा, मक्खी, चमगादड़, टिड्डा।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 56)

➢ अगर तुम भी पक्षियों की तरह उड़ सकते, तो तुम कहाँ-कहाँ जाते? क्या-क्या करते?

उत्तर यदि मैं भी पक्षियों की तरह उड़ सकता तो मैं पूरी दुनिया की सैर करता। मैं दूसरे पक्षियों के साथ रेस लगाता।

➢ यदि पक्षी उड़ न सकें, बस अपने पैरों पर ही चलें तो क्या होगा?

उत्तर यदि पक्षी उड़ न सकें तो वे उड़ने का आनंद नहीं ले पायेंगे। खतरे के समय वे उड़कर अपनी जान नहीं बचा पायेंगे।

Chapterwise NCERT Solutions for Class 3 Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन) :

- Chapter 1-डाल -डाल पर ,ताल -ताल पर
- Chapter 2-पौधों की परी
- Chapter 3-पानी रे पानी
- Chapter 4-हमारा पहला स्कूल
- Chapter 5-छोटू का घर
- Chapter 6-खाना अपना -अपना
- Chapter 7-बिन बोले बात
- Chapter 8-पंख फैलाए उड़ते जाए
- Chapter 9-बादल आये बारिश लाए
- Chapter 10-पकाएं खाए
- Chapter 11-यहां से वहा
- Chapter 12-काम अपने -अपने
- Chapter 13-धूकर देखें
- Chapter 14-कहां से आया ,किसने पकाया?
- Chapter 15-आओ बनाएं बर्तन
- Chapter 16-खेल खेल में
- Chapter 17-चिटठी आयी है
- Chapter 18-ऐसे भी होते हैं घर
- Chapter 19-हमारे साथी जानवर
- Chapter 20-बूंद -बूंद से
- Chapter 21-तरह -तरह के परिवार
- Chapter 22-दायां -बायां
- Chapter 23-कपड़ा सजा कैसे
- Chapter 24-जीवन का जाल

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-3rd-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-8-pankhfailaye-udte-jaye/

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.